प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–2021–22

कक्षा–12

विषय : हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 100

नोटः– (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) इस प्रश्न में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

(खण्ड–क)

प्र0–1 (क) 'उक्ति–व्यक्ति–प्रकरण' के रचनाकार हैं– 1

(i) गोकुलनाथ (ii) दामोदर शर्मा

(iii) नाभादास (iv) मुंशी सदासुख लाल

(ख) भारतेन्दु युग की पत्रिका हैः 1

(i) कविवचन सुधा (ii) सरस्वती

(iii) मर्यादा (iv) हंस

(ग) हिन्दी गद्य साहित्य के द्वितीय उत्थान का प्रारम्भ हुआ– 1

(i) सन् 1918 में (ii) सन् 1900 में

(iii) सन् 1936 में (iv) सन् 1938 में।

(घ) 'सेवासदन' के रचनाकार हैंः 1

(i) जैनेन्द्र (ii) अज्ञेय

(iii) प्रेमचन्द (iv) हरिकृष्ण प्रेमी

(ङ) हिन्दी की प्रथम आधुनिक कहानी होने का श्रेय दिया जाता है–

1

(i) इंशा अल्ला खाँ (ii) किशोरी लाल गोस्वामी

(iii) रामचन्द्र शुक्ल (iv) विष्णु प्रभाकर।

प्र0—2 (क) 'आदिकाल' का ग्रन्थ नहीं है— 1

(i) कीर्तिलता (ii) बीसलदेव रासो

(iii) आल्हखण्ड (iv) पद्मावत।

(ख) 'अष्टछाप' के कवियों का सम्बन्ध है, भक्तिकाल की— 1

(i) रामभक्ति शाखा से (ii) ज्ञानाश्रयी शाखा से

(iii) प्रेमाश्रयी शाखा से (iv) कृष्णभक्ति शाखा से।

(ग) श्रृंगार और वात्सल्य रस के अमर कवि है— 1

(i) केशवदास (ii) कबीरदास

(iii) सूरदास (iv) कविवर बिहारी

(घ) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' रचना की विधा है— 1

(i) काव्य (ii) उपन्यास

(iii) निबन्ध (iv) कहानी।

(ङ) 'कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं' कथन है— 1

(i) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) रामचन्द्र शुक्ल

(iv) नन्ददुलारे वाजपेयी।

प्र0–3 निम्नलिखित गद्यांश का संदर्भ देते हुए किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए: 2+2+2+2+2 =10

जंगल में जिस प्रकार अनेक लता, वृक्ष और वनस्पति अपने अदम्य भाव से उठते हुए पारस्परिक सम्मिलन से अविरोधी स्थिति प्राप्त करते हैं, उसी प्रकार राष्ट्रीय जन अपनी संस्कृतियों के द्वारा एक–दूसरे के साथ मिलकर राष्ट्र में रहतें हैं। जिस प्रकार जल के अनेक प्रवाह नदियों के रूप में मिलकर समुद्र में एकरूपता प्राप्त करते हैं, उसी प्रकार राष्ट्रीय जीवन की अनेक विधियाँ राष्ट्रीय संस्कृति में समन्वय प्राप्त करते हैं। समन्वय युक्त जीवन राष्ट्र का सुखदायी रूप है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii प्रस्तुत अनुच्छेद के अनुसार जंगल में क्या–क्या मिलता है?

(iv) जल प्रवाह नदी के रूप में किससे मिलता है?

(v) राष्ट्रीय जीवन की अनेक विधियाँ राष्ट्रीय संस्कृति में क्या प्राप्त कर रही है?

अथवा

नये शब्द, नये मुहावरे एवं नयी रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा की व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा में आधुनिकता लाना है। दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नये शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता है, वरन नये पारिभाषिक शब्दों को एवं नूतन शैली प्रणालियों को व्यवहार में लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) किन–किन के प्रयोग से भाषा आधुनिक बनती है?

(iv) भाषा का विकास कब नहीं होता है?

(v) 'नये शब्द गढ़ने मात्र' का क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

प्र0–4 पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों कें उत्तर लिखिए– 5×2=10

नील परिधान बीच सुकुमार,
खुल रहा मृदुल अधखुला अंग।
खिला हो ज्यों बिजली का फूल,
मेघ वन बीच गुलाबी रंग।।
ओह! वह मुख पश्चिम के व्योम,
बीच जब घिरते हो घनश्याम।
अरुण रवि मंडल उसको भेद,
दिखाई देता हो छविधाम।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'मेघ–वन बीच गुलाबी रंग' में कौन सा अलंकार है?

(iv) नीले वस्त्र में लिपटी नायिका की छवि कैसी दिख रही है?

(v) 'परिधान और मृदुल' शब्द का अर्थ बताइए?

अथवा

इस धारा सा ही जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उदगम्।
शाश्वत है गति शाश्वत संगम।
शाश्वत नभ का नीला विकास शाश्वत शशि का यह रजत हास।
शाश्वत लघु लहरों का विलास।
हे जनजीवन के कर्णधार! चिर जन्म मरण के आर–पार।
शाश्वत जीवन नौका बिहार।
मै भूल गया अस्तित्व ज्ञान, जीवन का यह शाश्वत प्रमाण।
करता मुझको अमरत्व दान।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) नाव की गति को देखकर कवि के मन में कैसे विचार आ रहे हैं?

(iv) कवि के अनुसार जीवन में क्या शाश्वत है?

(v) 'इस धारा–सा जग का क्रम' मे कौन सा अलंकार है?

प्र0–5 (क) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए– 3+2=5

(शब्द सीमा –80)

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल

(ii) पं0 दीनदयाल उपाध्याय

(iii) प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिएः 3+2= 5

(शब्द सीमा–80)

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(iv) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

प्र0–6 कहानी तत्वों के आधार पर 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी की समीक्षा कीजिए। 5

(शब्द सीमा–80)

अथवा

'कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्र0–7 स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए। 5

(शब्द सीमा अधिकतम –80)

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर प्रधान पात्र के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ख) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा का सारांश लिखिए।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'प्रधान पात्र' का चरित्र–चित्रण लिखिए।

(ग) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की किसी घटना का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

(घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख नारी पात्र के चारित्रिक गुणों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर प्रधान पात्र का चरित्र–चित्रण लिखिए।

(ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रोपदी का चरित्र– चित्रण कीजिए।

(च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'असहयोग आन्दोलन' की घटना का वर्णन कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गांधी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–'ख'

प्र0–8 (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 2+5=7

युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्णभाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत्। अतः अस्य सुहृदः तं प्राडिववाकपदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवां कुर्तुं प्रेरितवन्तः। तदनुसारम् अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्थे उच्चन्यायालये प्राडिवाककर्म कर्तुमारभत।। विधेः प्रकृष्टज्ञानेन मधुरालापेन उदारव्यवहारेण चायं शीघ्रमेव मित्राषां न्यायाधीशना×च सम्मानभाजनमभवत्।

या

अतीत प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन्। मत्स्या आनन्दमत्स्यं शकुनयः सुवर्णहसंम्। तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रुपवती आसीत्। स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चित्तरुचितं स्वामिनं वृणुयात इति। हंसराजः तस्यै वरं दत्त्वा हिमवति शकुनिसंगे सन्यपतत्। नानाप्रकाराः हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले सन्यपतत्। हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकम् आगत्य वृणुयात इति दुहितरमादिदेश। सा शकुनिसंगे अवलोकनयन्ती मणिवर्णग्रीवंचित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं में स्वामिको भवतु' इत्यभाषत।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में संदर्भ सहित अनुवाद कीजिएः 2+5= 7

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती।

तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्।।

अथवा

ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।

गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव।।

प्र0–9 निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संस्कृत में उत्तर दीजिए– 2+2=4

(i) संस्कृत साहित्यस्य प्रमुखाः कवयः के सन्ति?

(ii) किम् धनम् सर्व प्रधानम्?

(iii) ज्ञानमय प्रदीपः केन प्रज्वलित्?

(iv) दिलीपः कस्य प्रदेशस्य राजा आसीत्?

प्र0–10 (क) श्रृंगार रस अथवा करूण रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण दीजिए। 1+1=2

(ख) श्लेष अलंकार अथवा दृष्टान्त अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1+1=2

(ग) चौपाई छन्द अथवा दोहा छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1+1=2

प्र0–11 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 2+7=9

(i) बेरोजगारी–समस्या और समाधान

(ii) सर्वधर्म समभाव

(iii) किसी मेले का आँखों देखा वर्णन

(iv) गोस्वामी तुलसीदास

प्र0—12 (क) i) 'पावकः' का सन्धि—विच्छेद होगा— 1

(अ) पौ + अकः

(ब) पाव् + अकः

(स) पो + अकः

(द) पा + वकः।

ii) 'प्रेजते' का सन्धि—विच्छेद होगा— 1

(अ) प्र + इजते

(ब) प्रे + अजते

(स) प्र + एजते

(द) प्र + ऐजते।

iii) 'पुस्तकालयः' में सन्धि है— 1

(अ) व्यंजन सन्धि

(ब) स्वर सन्धि

(स) यण् सन्धि

(द) विसर्ग सन्धि।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— 1+1=2

(अ) दशाननः

(ब) कृष्णसर्पः

(स) प्रत्येकम्

प्र0—13 (क) i) 'आत्मन्' शब्द का द्वितीया बहुवचन रूप होगा— 1

(अ) आत्मनः

(ब) आत्मानौ

(स) आत्मने

(द) आत्मनो

ii) 'नामन्' शब्द चतुर्थी विभक्ति के बहुवचन का रूप लिखिए— 1

(ख) i) 'स्था' धातु लोट् लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन का रूप होगा— 1

(अ) तिष्ठन्तु

(ब) तिष्ठ

(स) तिष्ठाम्

(द) तिष्ठम।

ii) 'पिवताम् अथवा नीत्वा' का धातु लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए— 1

(ग) i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए— 1

(अ) कृतः

(ब) गतः

(स) दत्वा

ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए— 1

(अ) प्रभुता

(ब) रुपवती

(स) गुणवान

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए— 1+1=2

(अ) पुत्रेण सह।

(ब) ग्रामम् अभितः वृक्षाः सन्ति।

(स) कृष्णाय नमः।

प्र0—14 निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 2+2=4

अ) तुम दोनों जाते हो।

ब) गाँव के चारों ओर वृक्ष है।

स) मैं, तुम और कृष्ण विद्यालय जाते हैं।

द) गाय से दूध दुहता है।

य) पिता पुत्र को धर्म समझाता है।

*****